पाठ-15

2. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

आय	×	व्यय	संतुष्ट	×	असंतुष्ट
घटिया	×	बढ़िया	पूर्व	×	पश्चात
खरीदना	×	बेचना	धरती	×	आसमान

3. दिए गए शब्दों का आशय स्पष्ट करके वाक्य प्रयोग कीजिए-

राहत देना - राहत महसूस करना

बीमारी से उठने के बाद मुझे राहत मिली।

आमदनी - वेतन

मेरे पिताजी की आमदनी अच्छी है।

4. नीचे दी गई पंक्तियों में उपयुक्त विराम चिह्नों का प्रयोग कीजिए-

(क) छाती धड़क रही थी, आँखों के आगे अँधेरा छाने लगा, सूरज प्रतिक्षण ढलता जा रहा था।

(ख) सरदार ने कहा, "तुम्हें इस जगह वापस आना है।"

(ग) "ओह! सूरज तो छिपने लगा," दीना घबराकर बोला।

(घ) "शर्त, कैसी शर्त! मैं कोई शर्त नहीं मानता।"

(ङ) "वाह! यह भी नहीं बचेगा," कोल हँसते हुए कह रहे थे।

5. पाठ में आए मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए-

आँखों के आगे अँधेरा छाना	बेहोशी आना - उसकी आँखो के आगे अँधेरा छा गया
हवा हो जाना	गायब होना - चोर चोरी करके हवा हो गए।
आँखें चमकना	प्रसन्न होना - सफलता मुक्त करके उसकी आँखे चमक उठी।
ताना मारना	आपत्तिजनक बोलना - सास बहू को दहेज के लिए ताने मारती है।
पानी फिर जाना	नुकसान होना - मेरे सारे किए कराए पर पानी फिर गया।

पाठ से आगे

1. कक्षा में आपके सहपाठियों में कुछ लालची प्रवृत्ति के है, कुछ नहीं, आप किसके व्यक्तित्व से प्रभावित है? कक्षा में इस विषय पर चर्चा कीजिए।
2. अनुमान लगाइए कि अगर दीना लालच न करता और समय पर वापस आकर नापी हुई ज़मीन पा लेता। तो उसका जीवन कैसा होता?
3. दीना के व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं पर कक्षा में चर्चा कीजिए।

Scanned with CamScanner

सरदार के मुँह से निकला- "बस! आखिर किसान ..."

विषय-वस्तु का बोध

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

"ज़मीन देखकर दीना की आँखें चमकने लगीं। सरदार ने सिर की टोपी उतारकर ज़मीन पर रख दी और कहा- यह निशान है, यहाँ से चलकर सूर्य डूबने से पहले तुम्हें यहीं वापस आना है।"

(क) ज़मीन देखकर दीना की आँखें क्यों चमकने लगीं?

(ख) सरदार ने सिर की टोपी उतारकर ज़मीन पर क्यों रख दी?

(ग) दीना को ज़मीन क्यों चाहिए थी?

(घ) सरदार और दीना के बीच कितने रुपयों पर लेन-देन तय हुआ था?

पाठ — 15

भाषा-बोध

1. दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

विवाह -	शादी	ब्याह
अदालत -	न्यायालय	कचहरी
इच्छा -	अभिलाषा	चाह
उपहार -	भेंट	पुरस्कार
कपड़े -	वस्त्र	वसन
रात -	रात्रि	निशा

Scanned with CamScanner